वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 209 | गुरुवार 24 नवम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

41वां भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेला

उद्योग आयुक्त ने किया राजस्थान पवेलियन का अवलोकन

जयपुर. शाबाश इंडिया

नई दिल्ली के प्रगति मैदान में 14 नवम्बर से शुरू हुए चौदह दिवसीय 41वें भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में बुधवार को उद्योग आयुक्त, राजस्थान, महेन्द्र पारख ने राजस्थान पवेलियन का अवलोकन किया और **''वोकल फोर लोकल, लोकल फोर ग्लोबल''** की थीम के अुनरूप प्रदर्शित मंडप की सराहना की। पारख पवेलियन के विभिन्न स्टालों पर गए और प्रदेश के विभिन्न भागों से आए उद्यमियों, दस्तकारों, व्यवसायियों, कलाकारों और विभागीय प्रतिनिधियों से मिले और अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में भाग लेने के लिए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी। राजस्थान मण्डप के व्यवस्थापक आर.जी.घई ने पारख को

मंडप का अवलोकन करवाया। उन्होंने पवेलियन की व्यवस्था देख रहे अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्थान पवेलियन को आगामी समय में बेहतर बनाने के लिए आगंतुकों के सुझावों पर गहनता से विचार करके सरकार के समक्ष रखने का काम किया जाना चाहिए ताकि राजस्थान पवेलियन को अन्य राज्यों की तुलना में शानदार बनाया जा सके। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष राजस्थान मंडप में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से व्यापार मेले में भाग लेने आये उद्यमियों द्वारा लगभग 27 स्टालों का प्रदर्शन किया है। जिसमें राज्य सरकार के राजकीय विभागों सहित राजस्थान के विश्व प्रसिद्ध हस्तशिल्प उत्पादों को विशेष रूप से देश-विदेश में धूम मचाने वाली राजस्थानी हस्तशिल्प वस्तुओं में लाख की चूडीयां, महिलाओं के श्रृंगार के विविध आईटम्स, जयपुरी रजाईयां, टैक्सटाईल्स का सामान, चद्दरे और मोजड़ियों के उत्पादों के स्टॉल शामिल हैं।

राजस्थान में रात का पारा 10 डिग्री से नीचे गया

फिलहाल सर्दी से कोई खास राहत नहीं मिलेगी, लगातार गिरेगा तापमान

जयपुर. कासं। उत्तर भारत से आ रही सर्द हवाओं से राजस्थान में बुधवार को भी सर्दी के तेवर और तेज देखने को मिले। शेखावाटी के चूरू, सीकर में न्यूनतम तापमान गिरावट होने से यहां सर्दी का असर बढ़ गया। कड़ाके की सर्दी के बीच लोग अब यहां सुबह-शाम अलाव तपने लगे हैं। सर्दी का यही असर उदयपुर, चित्तौड़गढ़, अलवर, भीलवाड़ा में भी है, जहां न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस या उससे नीचे चला गया है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक इस महीने के अंत तक कोई नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव नहीं होगा, जिसके कारण प्रदेश में बारिश के कोई आसार नहीं है। चूरू, सीकर में आज रात में तापमान में गिरावट के बाद यहां सर्दी तेज हो गई। गलन भरी इस सर्दी का असर जयपुर, अजमेर, कोटा, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ में भी रहा। सुबह 8 बजे तक तेज सर्दी का असर रहा, हालांकि इसके बाद धूप निकलने से लोगों को राहत मिली। इधर रेगिस्तानी इलाके जैसलमेर, जोधपुर, बाड़मेर में भी रात का तापमान एक डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। कोटा और चूरू में रात का तापमान सामान्य से 4 डिग्री सेल्सियस तक नीचे आ गया। राज्य में बुधवार को सबसे सर्द रात सीकर के फतेहपुर में रही, जहां न्यूनतम तापमान 3.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। फतेहपुर में पिछले चार दिन में पारा 4 डिग्री सेल्सियस तक नीचे आ गया। 19 नवंबर को यहां न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस पर था, जो गिरकर अब 3.8 पर पहुंच गया।

वीमन रन फॉर नेशन में दौड़ी शहर की महिला शक्ति

एक हजार से ज्यादा महिलाओं ने लगाई दौड़, वीमन एम्पावरमेंट का दिया मैसेज

जयपुर. कासं। प्रियदर्शनी सोलर मिशन एंड वाटर सेविंग संस्था की ओर से विद्याधर नगर में बुधवार को 'वीमन रन फॉर नेशन' के तीसरे एडिशन का आयोजन किया गया। इस आयोजन में कानोडिया कॉलेज, भवानी निकेतन महिला महाविद्यालय, सेंट्रल अकेडमी, भवानी निकेतन लॉ कॉलेज, केपीएस उड़ान की छात्राओं सहित विद्याधर नगर की करीब 1000 महिला शक्ति ने हिस्सा लिया। इस मिनी महिला मैराथन को लेकर संस्था की अध्यक्ष शशि गुप्ता ने बताया कि हमारी संस्था महिला सशक्तिकरण को लेकर बहुत कार्यक्रम आयोजित करती है और इसी क्रम में 'वीमन रन फॉर नेशन' का आयोजन किया गया। इसे जयपुर नगर निगम ग्रेटर के डिप्टी डायरेक्टर प्रवीण कुमार मील, प्रदेश कांग्रेस सचिव प्रशांत सहदेव शर्मा,द कोषाध्यक्ष सीताराम अग्रवाल सहित अन्य अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस रन में इस बार रोटरी क्लब रॉयल जयपुर सेंट्रल के प्रेसिडेंट अरुण बगड़िया सहित रोटेरियन विजय कुमार राजोरिया, राजेश विजय, रोहताश यादव, अजय आहूजा, मोहन बगड़िया की ओर से प्रथम, द्वितीय और तीसरे स्थान पर आने वाली विजेता छात्राओं को नगद पुरस्कार दिए गए। पहले स्थान पर केपीएस उड़ान की खुशी मीणा, दूसरे स्थान पर कानोड़िया कॉलेज की चंचल प्रजापत और तीसरे स्थान पर भवानी निकेतन की किरण कुमारी मीणा रही। आयोजन में पार्षद मनोज मुद्गल, राजेश गुर्जर, प्रदीप तिवारी, पंचायत समिति सदस्य भंवर सारण, अग्रवाल महासभा के अध्यक्ष राधेश्याम अग्रवाल, महासचिव मक्खन कांडा, महिला अध्यक्ष सुमन गर्ग, मॉर्निंग वॉकर ग्रुप के अध्यक्ष राजेश नटराज मौजूद रहे।

भक्तामर प्रणत मौलि मणि प्रभाणाः भगवान महावीर के महामस्तकाभिषेक महोत्सव का श्री भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान से हुआ मंगलाचरण

जयपुर के श्री विद्या सागर यात्रा संघ ने दी प्रस्तुति, महावीरजी के मुख्य मंदिर में हुआ आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

पूरे विश्व को अहिंसा, 'जीओं और जीने दो' का संदेश देने वाले जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी की भू गर्भ से प्रकटित, अति मनोज्ञ और अतिशय कारी प्रतिमा के आगामी 27 नवम्बर से होने वाले महामस्तकाभिषेक महोत्सव का मंगलाचरण श्री भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान से हुआ। इस मौके पर महामस्तकाभिषेक महोत्सव समिति के पदाधिकारी एवं पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के गौरवशाली पात्रों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण शामिल हुए। प्रचार संयोजक विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि यह आयोजन पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के प्रारम्भ होने के एक दिवस पूर्व बुधवार,23 नवंबर को दोपहर 1.15 बजे से महावीर जी के मुख्य मंदिर परिसर में आयोजित किया गया। वात्सल्य वारिधि परम पूज्य आचार्य प्रवर श्री 108 वर्धमान सागर महाराज ससंघ के पावन आशीर्वाद से श्राविका श्रेष्ठी श्रीमति सुशीला पाटनी धर्मपत्नि अशोक पाटनी आर.के मार्बल्स परिवार किशनगढ़ के निर्देशन में संपन्न हुआ। श्री विद्यासागर यात्रा संघ जयपुर के प्रमुख मनीष चौधरी-रचना चौधरी जयपुर द्वारा इस अनुष्ठान की समस्त मंगल क्रियाए संपन्न करवाई। मंच संचालन विनोद जैन 'कोटखावदा' ने किया। पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के सौधर्म इन्द्र रोहन-अमिता कटारिया एवं सौभाग मल राजेन्द्र कटारिया परिवार अहमदाबाद एवं चक्रवर्ती राजा सुरेश -शान्ता पाटनी एवं अशोक-सुशीला, विमल पाटनी आर के मार्बल्स किशनगढ परिवार ने टीले से निकली भगवान महावीर की प्रतिमा के समक्ष मंगलाचरण का मंगल कलश स्थापना एवं दीप प्रज्जवलन किया। इससे पूर्व विश्व शांति प्रदायक णमोकार महामंत्र का 9 बार सामूहिक जाप किया गया। इस मौके पर सभी गौरवशाली पात्रों एवं कमेटी पदाधिकारियों का श्री विद्यासागर यात्रा संघ जयपुर की ओर से मनीष चौधरी, विनोद जैन कोटखावदा,शीला डोड्या,रचना चौधरी,गौतम जैन, सुरभि, रुपा, प्राची, प्रदीप,अमन जैन ने सम्मान किया। तत्पश्चात सुशीला पाटनी एवं मनीष चौधरी ने मंगलाष्टक उच्चारित करते हुए मांगलिक शेष अक्षत चारों ओर बिखेरे। आयोजन में दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल, मानद् मंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी, उपाध्यक्ष एस के जैन,सी पी जैन, कोषाध्यक्ष विवेक काला, प्रशासनिक समन्वयक भारत भूषण जैन,सीएम सिक्युरिटी से डीवाईएसपी जितेन्द्र कुमार सहित महोत्सव समिति के पदाधिकारियों एवं गौरवशाली पात्र भगवान के माता -पिता किरण देवी -राज कुमार सेठी जयपुर, धनपति कुबेर अनिल -प्रीति सेठी बेंगलुरु, यज्ञनायक श्रीपाल -कुसुम चूड़ीवाल गुवाहाटी, ईशान इन्द्र राजेश -विमला शाह उदयपुर, सनत इन्द्र पवन -प्रीति गोधा दिल्ली, माहेन्द्र इन्द्र तीर्थेश-प्रियंका छाबड़ा सूरत एवं समाज के गणमान्य श्रेष्ठीजनों ने सहभागिता निभाई।

वात्सल्य वारिधि परम पूज्य आचार्य प्रवर श्री 108 वर्धमान सागर महाराज ससंघ के पावन आशीर्वाद से श्राविका श्रेष्ठी श्रीमति सुशीला पाटनी धर्मपत्नि अशोक पाटनी आर.के मार्बल्स परिवार किशनगढ़ के निर्देशन में संपन्न हुआ...

क्रिस्टल शिल्पकार नेशनल वकार हुसैन ग्लोरियस अवार्ड से हुए सम्मानित

उदयपुर. शाबाश इंडिया

लेकसिटी के ख्यातनाम आर्टिस्ट व क्रिस्टल शिल्पकार वकार हुसैन को जयपुर में शक्ति फिल्म प्रोडक्शन की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में नेशनल ग्लोरियस अवॉर्ड से नवाजा गया। ट्रस्टेड विजन संस्था की ओर से आमेर स्थित इंडियाना पैलेस में आयोजित इस सम्मान समारोह में फिल्म अभिनेत्री मुग्धा गोडसे ने एजुकेशन, बिजनेस, फैशन, आर्ट एंड कल्चर, मेडिकल, ज्वैलरी, ब्लॉगर्स, डिफेंस और सामाजिक उत्थान के लिए उल्लेखनीय काम करने वाली 51 शख्सियतों को सम्मानित किया। बता दें, मेवाड़ धरा के आर्टिस्ट हुसैन अपनी क्रिस्टल शिल्पकारी के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान बना चुके हैं।

रिपोर्ट/फोटोः राकेश शर्मा 'राजदीप'
मोबाइल:9829050939

सुंदर स्वभाव के मालिक बनो : मुनि श्री विशल्य सागर जी

झुमरीतिलैया. शाबाश इंडिया

प्रातः श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में परम पूज्य मुनि श्री 108 विशल्य सागर जी महाराज के परम सानिध्य में मगसिर अमावस्या को विश्व शांति प्रदाता देवाधिदेव 1008 श्री शांति नाथ भगवान की प्रतिमा पर अभिषेक एवं शांतिधारा समाज के पदाधिकारी गण ने किया। इसके पश्चात मुनि श्री का पाद प्रक्षालन किया। धर्म सभा मे मुनि श्री ने मंगल उदबोधन मे कहा कि सुंदर स्वभाव के मालिक बनों ।हमारे जीवन में प्रगति कैसे हो, कैसे ऊँचाई को पाएं। उन्नति जीवन का सूत्र होना चाहिए, अवनति का नहीं।सात राजू हम चलकर आ गए अब वापिस नहीं लौटना।जब सात राजू हमने यात्रा कर ही ली तो शेष सात राजू और बचा उसे पार करना है न कि वापिस लोटना।संकल्प कर लो जीवन में तो सारे काम आसान हो जाएंगे। जीवन में सफलता का राज्य यही है, संकल्प बहुत बड़ी चीज है संकल्प जीवन में प्रतिभा को जगाता है, संकल्प जीवन को महान बनाता है जितने भी महापुरुष हुए वो संकल्प से हुए। पू. गुरुदेव ने अपने उद्बोधन में कहा कि साधना का मार्ग, आराधना का मार्ग bill power पर टिका है परिस्थिति सामने कितनी भी बढ़ी खड़ी हो लेकिन मनः स्थिति नहीं बदलना ही सबसे बड़ी साधना है। प्रथमानुयोग (धर्म) का स्वाध्याय करने से bill power बढ़ता है।संघर्ष को जो संग + हर्ष के साथ लेकर चलता है वह संघर्ष है। एक नदी सागर बन जाती है संघर्ष के साथ,संकल्प के साथ।एक झरना भी नदी बन जाती है संकल्प के साथ,संघर्ष के साथ।

पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा से राजाबाबू गोधा ने की मुलाकात

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान सरकार के नव नियुक्त आई. पी. एस पुलिस महानिदेशक (डी. जी. पी) उमेश मिश्रा से जैन महासभा के मिडिया प्रवक्ता राजाबाबू गोधा फागी , एवं अखिल भारतीय खटीक समाज राष्ट्रीय जागृति मंच जयपुर जिला के अध्यक्ष राधेश्याम सोयल फागी ने पुलिस मुख्यालय में औपचारिक मुलाकात करके पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया तथा संयुक्त रुप से पुलिस महानिदेशक महोदय को धन्यवाद देते हुए कहा कि आपने प्रदेश के सभी जिलों में साइबर थाना खोलने एवं सभी पुलिस अधीक्षकों एवं थाना अधिकारियों को दोपहर 12 से 1.30 बजे तक आफिस में रहकर जन सुनवाई करने का आदेश निकालने के प्रयास को अच्छा बताया और कहा कि इस आदेश से आम जन को निडर रहकर पुलिस के सामने अपनी पीड़ा बताने का सफल प्रयास है और कहा कि उक्त आदेशों से अपराधों में कमी आयेगी तथा आम जन को राहत मिलेगी।

वेद ज्ञान

मौन की शक्ति अपार है...

आमतौर पर वाणी को विराम देना मौन कहलाता है, किंतु 'मौन' का वास्तविक अर्थ मात्र चुप रहना ही नहीं, बल्कि उससे कहीं अधिक व्यापक है। वास्तव में मौन समस्त इंद्रियों को बा जगत से हटाकर अंतस की ओर केंद्रित करना है। 'गीता' में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं- गोपनीय रखने योग्य भावों में मौन मैं हूं। मौन सतत प्रक्रिया है, जो आपके चुप रहने से आरंभ होकर गहन सत्य की खोज तक अनवरत चलती रहती है। मौन हमें अंतर्मुखी बनाता है। अंतर्मुखी व्यक्ति ही आत्मा और परमात्मा के गूढ़ रहस्य को भली-भांति समझते हुए ईश्वर का साक्षात्कार कर पाता है। इसलिए अध्यात्म पथ के पथिकों के लिए मौन को साधना का उपयोगी अंग माना गया है। मौन वह शून्यावस्था है जहां व्यक्ति अंतर्मुखी होकर अनंत की वाणी और आत्मा की पुकार को सुन सकता है। सृष्टि में संपूर्ण जड़ जगत तो मौन का ज्वलंत उदाहरण है ही, यहां रहने वाले जीव-जंतु और पशु-पक्षी भी उतना ही बोलते हैं जितना आवश्यक है। उनका मौन प्राकृतिक है। मौन की शक्ति अपार है। अव्यक्त होकर भी मौन की भाषा अभिव्यक्त हो जाती है। महान कवि विलियम वड्र्सवर्थ प्रकृति के अनन्य उपासक थे। उन्होंने अपने काव्य को मौन और नीरवता का वरदान कहा है। महर्षि रमण प्रायः मौन रहा करते और उसी अवस्था में लोगों की जिज्ञासाओं का समाधान कर दिया करते थे। मौन वाणी का तप है। मौन से भीतरी राग-द्वेष, ईर्ष्या, क्रोध, लोभ, मोह आदि विकारों का नाश होकर मनुष्य की वाणी सिद्ध व पवित्र होती है। मौन साधना द्वारा व्यक्ति का आत्मबल और कार्य करने की क्षमता बढ़ती है। रवींद्रनाथ टैगोर के शब्दों में कहें तो मौन के वृक्ष पर सदैव शांति के ही फल लगते हैं। मौन का आश्रय लेकर व्यर्थ की कटुता, कलह और विवादों से बचाव के साथ ही मिथ्या वचन, अपशब्दों के प्रयोग, परनिंदा व अनर्गल बकवास जैसे वाणी के पापों से भी बचा जा सकता है। मौन व्यक्ति की अज्ञानता और मूर्खता पर आवरण डालने में भी सहायक है। भर्तृहरि ने मौन को अज्ञानता का ढक्कन बताते हुए ज्ञानियों की सभा में अज्ञानियों के लिए मौन को सर्वोत्तम आभूषण और रक्षा-कवच बताया है। ध्यान रहे कि मुख से निकले शब्द कभी वापस नहीं लौटते।

संपादकीय

बढ़ती कीमतों पर काबू पाना बड़ी चुनौती

वस्तुओं की बढ़ती कीमतों पर काबू पाना सरकार के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है। इसी बीच दूध के दाम एक बार फिर बढ़ गए। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में दूध उपलब्ध कराने वाली मदर डेयरी ने अपने मलाई वाले दूध की कीमत में एक रुपया प्रति लीटर और टोकन के जरिए बेचे जाने वाले खुले दूध की कीमत में दो रुपए की बढ़ोतरी कर दी। स्वाभाविक ही इसका असर आर्थिक रूप से कमजोर तबके के दैनिक खर्च पर पड़ेगा। मदर डेयरी का कहना है कि चूंकि किसानों से दूध अधिक कीमत पर खरीदना पड़ रहा है, इसलिए इसकी कीमत में बढ़ोतरी उसकी विवशता हो गई थी। किसानों को पशु चारा आदि पर अधिक खर्च करना पड़ रहा है, इसलिए वे दूध के दाम बढ़ा कर दे रहे हैं। मदर डेयरी ने इस साल चौथी बार दूध के दाम बढ़ाए हैं। दूध उपलब्ध कराने वाली दूसरी कंपनियों ने भी इसी तरह समय-समय पर दूध की कीमतें बढ़ाई हैं। लागत बढ़ने से वस्तुओं की कीमत में बढ़ोतरी स्वाभाविक है, मगर दूध जैसी रोजमर्रा इस्तेमाल होने वाली चीजों के दाम बढ़ने से इसलिए चिंता अधिक बढ़ जाती है कि इसकी जरूरत गरीब से गरीब बच्चे को होती है और इसके उपलब्ध न हो पाने से उनके पोषण पर असर पड़ता है। भारत पहले ही दुनिया भर के देशों में स्वास्थ्य और पोषण के पैमाने पर काफी नीचे के पायदान पर है और हर साल कुछ और नीचे खिसक जाता है। ऐसे में नवजात शिशुओं के पोषण का समुचित प्रबंध करना एक बड़ी चुनौती है। खाद्यान्न सुरक्षा संवैधानिक वचनबद्धता है, उसमें गर्भवती महिलाओं और बच्चों को उचित पोषाहार उपलब्ध कराने के लिए दूध की उपलब्धता सुनिश्चित करना भी व्यवस्था की जिम्मेदारी है। आर्थिक रूप से कमजोर तबके को ध्यान में रखते हुए ही टोकन के जरिए खुला दूध उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई थी। कई देश भारत में दुग्ध उपलब्धता बढ़ाने के मकसद से मदद भी करते हैं। टोकन वाले खुले दूध की बिक्री उसी योजना के तहत होती है। मगर ढुलाई आदि का खर्च बढ़ जाने की वजह से उनकी कीमत पर काबू पाना कठिन होता गया है। जबकि मलाई वाले दूध की तुलना में खुले दूध की कीमत अधिक बढ़ना इसलिए उचित नहीं माना जा रहा कि इसका वितरण आमतौर पर गरीब लोगों को ध्यान में रख कर किया जाता है। सरकार अगर इसकी कीमत पर काबू पाना चाहती, तो कुछ रियायत दे सकती थी। पर हकीकत यह है कि महंगाई पर काबू पाने में सरकार का दम फूलने लगा है। रिजर्व बैंक रेपो दरों में बढ़ोतरी कर इस पर काबू पाने का प्रयास कर रहा है, जबकि इससे रोजमर्रा उपभोग की खाने-पीने की चीजों के दाम पर लगाम कसना संभव नहीं हो पा रहा। खाने-पीने की वस्तुओं के दाम बढ़ने के पीछे दो वजहें प्रमुख होती हैं। एक तो ढुलाई पर खर्च बढ़ना और दूसरा कृषि क्षेत्र पर मौसम की मार। इस समय ये दोनों स्थितियां एक साथ उपस्थित हैं। -**राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

अहम पहल

दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन की वजह से कैसी समस्याएं खड़ी हो रही हैं, इसके क्या कारण हैं, इसमें किसकी कितनी भूमिका है और इसका खमियाजा किसे उठाना पड़ रहा है, ये सब जगजाहिर तथ्य रहे हैं। लेकिन सालों से इस पर चिंता जताए जाने के बीच होते आ रहे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में शायद ही कभी विकसित देशों ने समस्या के गहराते जाने में अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करने का साहस दिखाया।इसके उलट जलवायु परिवर्तन या बढ़ते तापमान में कार्बन उत्सर्जन को मुख्य कारण बता कर विकासशील और गरीब देशों को कठघरे में खड़ा करने की कोशिशें जरूर की गईं। जबकि तीसरी दुनिया के देश दरअसल इस समस्या में विकसित देशों की सुविधाओं के पीड़ित रहे। अनेक मौकों पर भारत सहित दुनिया के कई देशों ने इस पहलू पर विकसित देशों का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की, मगर ऐसे सवालों की आमतौर पर अनदेखी की जाती रही। समर्थ देशों की ओर से अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने और आरोप दूसरों पर मढ़ने की यह प्रवृत्ति इस समस्या के वास्तविक और दीर्घकालिक नतीजे देने वाले समाधान का रास्ता तैयार नहीं कर सकती थी। जाहिर है, तीसरी दुनिया के देश यह सोचने पर मजबूर हुए कि अगर वे कार्बन उत्सर्जन की समस्या के भुक्तभोगी हैं तो इसके प्रमुख जिम्मेदार देशों को अपने रवैए पर पुनर्विचार करना होगा। शायद विकासशील देशों के इसी रुख से उपजे दबाव का यह हासिल है कि इस बार मिस्र के शर्म अल शेख में रविवार को संपन्न हुए संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन में ''**हानि एवं क्षति**'' समझौते पर सहमति का ऐतिहासिक फैसला सामने आया। इस समझौते के तहत विकसित देशों के कार्बन प्रदूषण से पैदा हुई मौसम संबंधी प्रतिकूल परिस्थितियों से प्रभावित गरीब देशों को मुआवजा देने के लिए एक कोष तैयार किया जाएगा। हालांकि इस ''**सीओपी 27**'' में उम्मीद की जा रही थी कि तेल और गैस सहित सभी तरह के जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल को चरणबद्ध तरीके से समाप्त किए जाने की बात को भी समझौते में शामिल किया जाए। लेकिन इस पहलू पर सीओपी 26 में बनी सहमति की तुलना में बहुत कम प्रगति हो पाई। गौरतलब है कि तेल और गैस सहित सभी जीवाश्म ईंधनों के इस्तेमाल को धीरे-धीरे खत्म करने का प्रस्ताव भारत ने दिया था और यूरोपीय संघ सहित अमेरिका और कई विकसित एवं विकासशील देशों ने इसे समर्थन दिया था। यह तथ्य है कि जलवायु परिवर्तन पूरी दुनिया के सामने एक बड़ी चुनौती है और भारत सहित पूरे विश्व का मकसद वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को नियंत्रित करना है। यों कार्बन उत्सर्जन में अपनी सीमित भूमिका होने के बावजूद इसे रोकने के लिए भारत अपनी ओर से हर स्तर पर काम कर रहा है, लेकिन इस मामले में विकसित देशों में अपनी जिम्मेदारी दूसरों पर थोपने की प्रवृत्ति आम रही है। अक्सर होने वाले अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में ये द्वंद्व सामने भी आते रहे हैं लेकिन पिछले सम्मेलन के मुकाबले इस बार एक अहम बात यह रही कि इसमें नवीकरणीय ऊर्जा को लेकर ज्यादा सख्त भाषा दिखी और ऊर्जा माध्यमों में नए प्रयोग के साथ-साथ न्यायोचित बदलाव के सिद्धांतों को शामिल किया गया। गौरतलब है कि नुकसान और मुआवजे के हल के लिए वित्तपोषण या एक नया कोष बनाने की मांग भारत के साथ-साथ कई विकासशील देश लंबे समय से कर रहे थे, मगर धनी देशों ने इस पर बात करना जरूरी नहीं समझा था। खासतौर पर जलवायु परिवर्तन के चलते भारी नुकसान के लिए जवाबदेही से बचने के लिए अमेरिका ने ऐसे कोष का विरोध ही किया था। लेकिन इस अंतरराष्ट्रीय जलवायु सम्मेलन में मुआवजे पर बनी सहमति को गरीब देशों की जीत के तौर पर देखा जा सकता है।

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा
महोत्सव 24 नवम्बर से
28 नवम्बर 2022

महामस्तकाभिषेक
महोत्सव 27 नवम्बर से
04 दिसम्बर 2022

दिगम्बर जैन आतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी

भगवान महावीर महामस्तकाभिषेक महोत्सव-2022

24 नवम्बर से 04 दिसम्बर 2022 तक

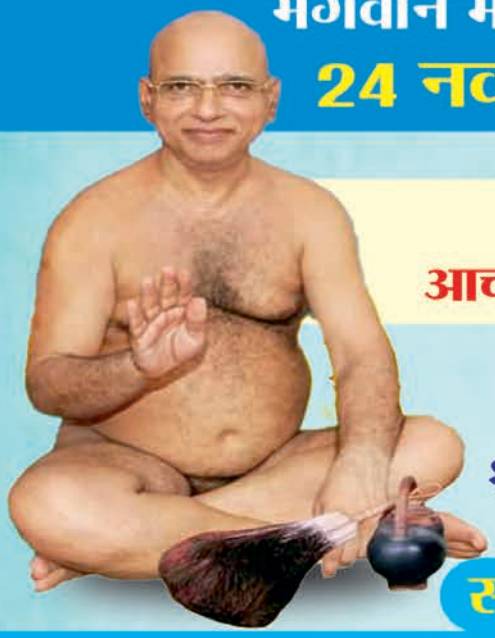

पावन सानिध्यः वात्सल्य वारिधि
आचार्य श्री 108 वर्धमानसागर जी महाराज ससंघ

स्थानः दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र
श्री महावीरजी, जिला करौली (राज.)

सांस्कृतिक कार्यक्रम

दिनांक	:	25-11-2022	वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज के जीवन पर आधारित नृत्य नाटिका
दिनांक	:	26-11-2022	श्री रूपेश जैन एण्ड पार्टी
दिनांक	:	27-11-2022	रंगशाला नाट्य अकादमी, इंदौर
दिनांक	:	28-11-2022	डॉ. गौरव सौगानी एण्ड पार्टी, जयपुर
दिनांक	:	29-11-2022	पर्यटन, कला एवं संस्कृति विभाग राजस्थान
दिनांक	:	30-11-2022	वीणा कैसेट्स, जयपुर
दिनांक	:	01-12-2022	राष्ट्रीय कवि सम्मेलन
दिनांक	:	02-12-2022	श्री दिगम्बर जैन महासमिति, सांगानेर (जयपुर)
दिनांक	:	03-12-2022	सम्मान समारोह
दिनांक	:	04-12-2022	भगवान महावीर के वृत्त चित्र का प्रदर्शन

प्रबन्धकारिणी कमेटी, दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी

सुधान्शु कासलीवाल अध्यक्ष	शांतिकुमार जैन उपाअध्यक्ष	महेन्द्र कुमार पाटनी मानद मंत्री
सुभाषचन्द जैन संयुक्त मंत्री	उमरावमल संघी संयुक्त मंत्री	विवेक काला कोषाध्यक्ष

सदस्यगण :- सुभद्र कुमार पाटनी, नरेश कुमार सेठी, भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी मुंम्बई (शिखरचन्द पहाडिया), पूनमचन्द्र शाह, डॉ. कमलचन्द सौगानी, नगेन्द्र कुमार जैन, हेमन्त सौगानी, अशोक जैन, कमल कुमार बड़जात्या, नरेन्द्र कुमार जैन, देवेन्द्र कुमार जैन, अशोक कुमार पाटनी, सतीश अजमेरा, सुधीर कासलीवाल, सी. पी. जैन, डॉ. पदम कुमार जैन, प्रदीप कुमार जैन, अनिल पाटनी (दीवान), रूपिन के. काला, सुरेश सबलावत

सहकारी क्षेत्र के उत्पाद ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होंगे

सहकारी क्षेत्र में नवीन सुपर स्टोर खोलकर उपभोक्ता सेवाओं का किया जाएगा विस्तार

जयपुर. कासं। रजिस्ट्रार सहकारिता एवं प्रशासक कॉनफैड मेघराज सिंह रत्नू ने कहा कि सहकारी क्षेत्र के उत्पादों को ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से उपलब्ध करवाया जाएगा। कॉनफैड के उपहार ब्रांड के गुणवत्तापूर्ण उत्पाद घर बैठे लोग उचित मूल्य पर मंगवा सकेंगे। कॉनफैड के सदस्यों को 7.50 प्रतिशत लाभांश वितरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सहकारिता क्षेत्र में उपभोक्ता सेवाओं का विस्तार किया जाएगा। इसके लिए नवीन सुपर स्टोरों का संचालन किया जाएगा। तथा कॉनफैड को रियायती दर पर जमीन का आवंटन भी राज्य सरकार से करवाया जाएगा। रत्नू बुधवार को कॉनफैड की 37वीं वार्षिक साधारण सभा को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कॉनफैड द्वारा वर्ष 2021-22 में 15 करोड़ 93 लाख रूपए का शुद्ध लाभ अर्जित किया है। उन्होंने सभी को बधाई देते हुए कहा कि वर्ष 2021-22 में कॉनफैड का कुल टर्न ओवर 1457 करोड़ 84 लाख रूपए रहा है।

सुनीता जैन पंडित रतनचंद भारिल्ल पुरस्कार से सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया। अखिल भारतीय जैन पत्र संपादक संघ द्वारा पंडित रतन चंद भारिल्ल पुरस्कार 2022 श्रीमती सुनीता मुकेश जैन शिक्षाविद,ज्योतिषी एवं हस्त रेखा विशेषज्ञ मानसरोवर जयपुर को टोडरमल स्मारक भवन में आयोजित भव्य समरोह में प्रदान किया गया। यह पुरस्कार जैन धर्म, दर्शन, संस्कृति, ज्योतिष एवं समाज के प्रति शिक्षा एवं साहित्य के माध्यम से वैचारिक योगदान हेतु प्रदान किया गया। पुरस्कार स्वरूप प्रशस्ति पत्र साहित्य, श्रीफल, माला, शाल एवं 51 सौ रुपए की राशि नगद प्रदान की गई। समारोह डा.हुकमचंद भारिल्ल की अध्यक्षता तथा डॉ. के.जी.कुमावत के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। पुरस्कार श्रीमती कमला भारिल्ल,परमात्मप्रकाश भारिल्ल,शुद्धात्मप्रकाश भारिल्ल,तथा मिलाप चंद डण्डिया के शुभहस्तों से प्रदान किया गया। मंच पर डॉ.शांतिकुमार पाटिल, डॉ.अखिल बंसल, गोपाल प्रभाकर भी उपस्थित थे।

आशिका जैन बनी आचार्य भक्त

जयपुर. शाबाश इंडिया

विद्या नृत्यांजलि प्रतियोगिता की संयोजक श्रीमती शीला जैन डोडिया ने बताया कि संत शिरोमणि आचार्य गुरुवर विद्यासागर जी महा मुनिराज के स्वर्णिम आचार्य पद आरोहण दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित विद्या नृत्यांजलि अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को ऑनलाइन व्हाट्सएप ग्रुप पर आचार्य के जीवन पर आधारित कौन बनेगा करोड़पति की थीम पर कौन बनेगा आचार्य भक्त कार्यक्रम श्रीमती विनीता जैन वैशाली नगर जयपुर के द्वारा करवाया गया, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। श्रीमती विनीता जैन ने बताया कि कार्यक्रम में आचार्य भक्त का ताज आशिका जैन दमोह मध्यप्रदेश के सिर पर बंधा। द्वितीय स्थान पर सेजल बरैया रतलाम से, तृतीय स्थान पर कृतिका गोधा जयपुर,चतुर्थ स्थान पर श्रद्धा जैन देहरादून से तथा पांचवे स्थान पर गरिमा जैन खानपुर चांदखेड़ी रही। विद्या नृत्यांजलि प्रतियोगिता के निर्देशक अजय जैन मोहनबाड़ी ने बताया कि सभी विजेताओं को नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। श्रीमती शालिनी बाकलीवाल ने बताया कि कार्यक्रम में विद्या नृत्यांजलि प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल राउंड का रिजल्ट भी घोषित किया गया और 100 प्रतिभागियों का चयन अब सेमीफाइनल राउंड के लिए किया गया है।

दुर्गापुरा में गणिनी आर्यिका भरतेश्वर मति माताजी का 59वां अवतरण दिवस एवं ससंघ का पिच्छिका परिवर्तन समारोह आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

परम पूज्य गणिनी आर्यिका श्री 105 भरतेश्वरमति माताजी का 59वां अवतरण दिवस एवं ससंघ का पिच्छिका परिवर्तन समारोह दो दिवसीय कार्यक्रम श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुगार्पुरा जयपुर में 23 व 24 नवंबर 2022 बुधवार व गुरुवार को आयोजित किया गया है। बुधवार 23 नवम्बर को सांयकाल 6.30 बजे संगीत के साथ कल्याण मंदिर स्तोत्र पाठ 44 दीपकों द्वारा किया गया। बुधवार, 24 नवम्बर को दोपहर 12.15 बजे से पांडाल में 59वां अवतरण दिवस एवं ससंघ का पिच्छिका परिवर्तन समारोह होगा। श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी ट्रस्ट दुगार्पुरा जयपुर के अध्यक्ष प्रकाश चन्द जैन चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र कुमार जैन काला ने बताया कि कार्यक्रम में चित्र अनावरण, दीप प्रज्जवलन , मंगलाचरण, गुरु पूजा, पाद प्रक्षालन, पिच्छिका भेंट, शास्त्र भेंट, वस्त्र भेंट, गुरु मां की अष्ट द्रव्य से पूजा एवं आरती होगी। कार्यक्रम में गुरु मां पर आधारित प्रश्नोत्तरी के परिणाम घोषित कर पारितोषिक वितरण किए जायेंगे, गणिनी आर्यिका श्री के आशीर्वचन होंगे।

नसीराबाद में निकली भारत जोड़ो यात्रा

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। कांग्रेस सेवादल के जिलाध्यक्ष जयशंकर चौधरी व प्रभारी रामधन जाट की अगुवाई में तथा नसीराबाद सेवादल विधानसभा अध्यक्ष मानसिंह रावत एवं युवा कांग्रेस नेता अशोक गुर्जर के नेतृत्व में मंगलवार को भारत जोड़ो यात्रा निकाली गई। भारत जोड़ो यात्रा शहीद स्मारक से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई गांधी चौक पहुंचकर सम्पन्न हुई। जहां यात्रा में शामिल कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। यात्रा में जिला परिषद सदस्य हरचंद गुर्जर, श्रीनगर ब्लॉक अध्यक्ष ओंकार गुर्जर, साम्प्रोदा सरपंच रामसिंह चौधरी, श्रीनगर सेवादल ब्लॉक अध्यक्ष शब्बीर खान, जिला प्रवक्ता विवेक कड़वा, रामसर सरपंच जालिम सिंह सहित कांग्रेस सेवादल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल थे।

एलआईसी ने किया प्रतिभावन विद्यार्थियों का सम्मान

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। क्षेत्र के झड़वासा सीनियर स्कूल में एल आई सी ने प्रतिभावन विद्यार्थियों का सम्मान किया। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय झड़वासा की प्रधानाचार्य कौशल्या यादव ने बताया की वित्तीय वर्ष 2021-22 में कक्षा 1 से 10 तक जिन विद्यार्थियों ने अपनी अपनी कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया था ऐसे विद्यार्थियों को एल आई सी शाखा नसीराबाद प्रबंधक मनीष कपूर ने ट्रॉफी देकर प्रतिभावन छात्र छात्राओं का सम्मान किया और घर पर और विद्यालय में अपनी नियमित पढ़ाई जारी रखने की सीख दी। इस मौके पर व्याख्याता हेमराज मेघवंशी, वरिष्ठ अध्यापिका प्रतिभा शर्मा, अध्यापक चिरंजी लाल व महेश चंद कच्छावा आदि उपस्थित थे।

24 नवम्बर, 2022

आदरणीय डॉ. राजेन्द्र कुमार जैन
-श्रीमती उर्मिला जैन

को 55वी वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु: राजीव-सोनल जैन, अमित-स्वाति जैन, यश, संजना, श्रीया, राज जैन

डी-58, सरोज निकेतन, ज्योति मार्ग,
बापू नगर, जयपुर, मोबाईल @ 98291-23527

आचार्य श्री सुनील सागर गुरुदेव का मंगल विहार कूकस से अचरोल की ओर

जयपुर. शाबाश इंडिया

आचार्य भगवंत सुनील सागर गुरुदेव का मंगल विहार अचरोल की तरफ हो रहा है जहां आचार्य भगवंत की पावन निश्रा में श्रीमद् जिनेंद्र पार्श्वनाथ पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव आरंभ होने जा रहा है उक्त जानकारी देते हुए प्रचार संयोजक रमेश गंगवाल ने बताया लगभग 300 श्रावक, श्रेष्ठि नेम प्रकाश खंडाका, देव प्रकाश खंडाका ,संत कुमार खंडाका आदि एवं आचार्य भगवंत संघ सहित कूकस ग्राम से अचरोल की ओर बिहार कर लबाना गांव पहुंचे ,जहां बोहरा फार्म हाउस पर रात्रि विश्राम होगा। मुख्य संयोजक रूपेंद्र छाबड़ा ने बताया प्रातः 7:30 बजे मंगल विहार पुनः आरंभ होगा और गुरुदेव संघ सहित श्री दि. जैन देशभूषण आश्रम, दिल्ली रोड स्थित अचरोल ग्राम पधारेंगे। जहां बैंड बाजों के साथ भव्य जुलूस के रूप में गुरुदेव का मंगल प्रवेश होगा। प्रातः8:30 बजे आचार्य भगवन धर्म सभा को संबोधित करेंगे। गुरुदेव संघ सहित देशभूषण आश्रम दिल्ली रोड अचरोल में विराजमान रहेंगे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

चावल पर सूक्ष्म लेखन कलाकार निरु छाबड़ा द्वारा भगवान महावीर के महामस्तकाभिषेक महोत्सव के मौके पर बनाई गई कलाकृति

ॐ LORD MAHAVIRA ॐ

LORD MAHAVIRA THE LAST TIRTHANKAR
OF THE JAIN TRADITION LIVED FROM
599 To 527 B.C., He was
AKSHATRIYA PRINCE OF VAISHALI (BIHAR)
THE SON OF A REPUBLICAN CHIEF
SIDDHARTHA AND HIS WORTHY SPOUSE
Priyakalani
TRISHALA DEVI MAHAVIR'S HEART WAS FULL
OF COMPASSION FOR ALL LIVING BEINGS.
HE THEREFOR RENOUNCED WORDLY PLEASURES AND
CONNECTIONS AT THE EARLY AGE OF
30 YEARS FOR THE REST 12 YEARS HE
ENGAGED IN A RIGOROUS COURSE OF
SELF DISCIPLINE AND AUSTERITY WHICH WON
FOR HIM THE MOST SUBLINE ENLIGHTENMENT
THEN HE ROAMED ABOUT ON FOOT
FOR FULL 30 YEARS PROPAGATING BY EXAMPLE
AND PRECEPT THE PATH TO LIBERATION
ATTAMING IT HIMSELF IN 527 B.C. LORD
MAHAVIRA WAS THUS THE GREATEST
BENEFACTOR OF MANKIND MAY OF ALL THE
LIVING BEINGS. HIS MESSAGE IS STILL,
RELEVANT FOR THE PEACE AND HAPPINESS
OF THE WORLD.

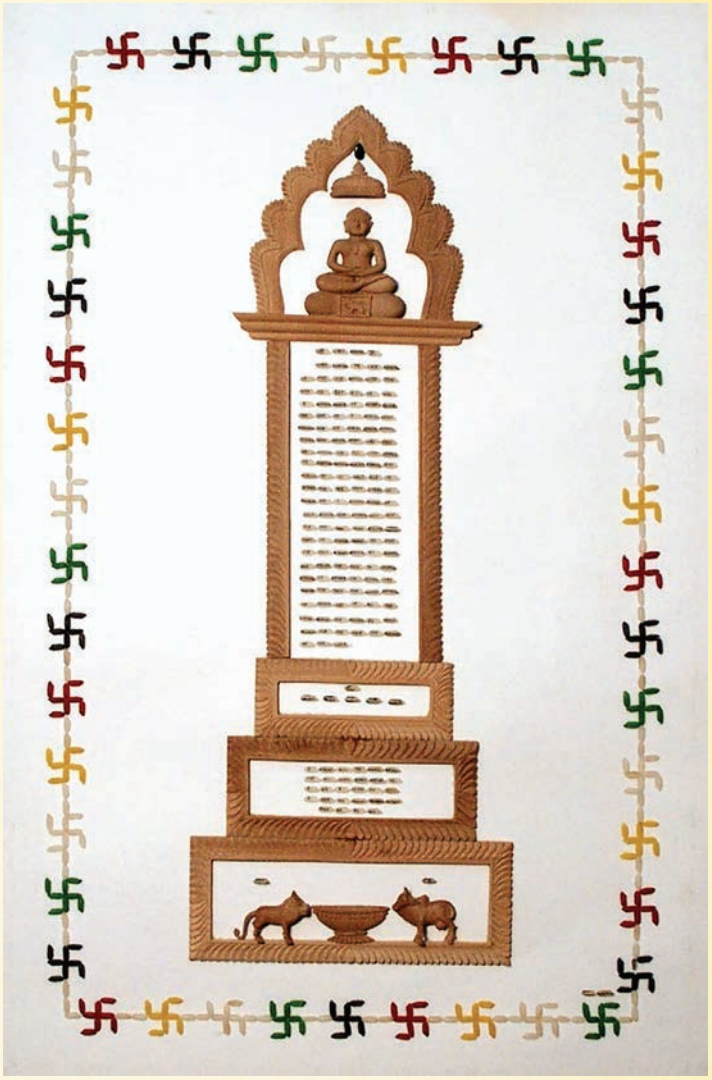

ॐ नमः

णमो अहिंताणं णमो सिद्धाणं णमो आइरियाणं
णमो उवज्झायाण णमो लोए सच्चासाहूर्ण

I FORGIVE ALL THE LIVING BEINGS,
MAY ALL LIVING BEINGS FORGIVE ME,
I AM A FREINA TO ALL,
I HAVE NO ENEMITY TOWARDS
ANYBODY
PEACE BE UPTO ALL!

घट यात्रा एवं ध्वजारोहण से होगा पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ

मुख्यमंत्री करेंगे ध्वजारोहण। शुक्रवार 25 नवम्बर को होगा जन्म कल्याणक महोत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया। 21 वीं सदी का भगवान महावीर का प्रथम महामस्तकाभिषेक महोत्सव के अन्तर्गत भव्य पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव गुरुवार, 24 नवम्बर से दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी में विशाल स्तर पर शुरू होगा। वात्सल्य वारिधि आचार्य वर्धमान सागर महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में होने वाले इस महामहोत्सव का राजस्थान के मुख्य मंत्री अशोक गहलोत ध्वजारोहण कर शुभारंभ करेंगे। इससे पूर्व कटला प्रांगण से विशाल घटयात्रा जुलूस निकाला जाएगा। 24 नवम्बर से 4 दिसंबर तक चलने वाले इस महामहोत्सव में जयपुर सहित पूरे विश्व से लाखों श्रद्धालु शामिल होंगे। प्रबंधकारिणी कमेटी दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी के अन्तर्गत गठित भगवान महावीर महामस्तकाभिषेक महोत्सव समिति के अध्यक्ष सुधान्शु कासलीवाल एवं महामंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी ने बताया कि 24 से 28 नवम्बर तक आयोजित पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में भगवान महावीर की 24 फीट ऊंची खडगासन प्रतिमा सहित परिकरयुक्त चौबीसी एवं कमल मंदिर की नवग्रह अरिष्ट निवारक जिनालय प्रतिमाओं की प्रतिष्ठा होगी। प्रतिष्ठाचार्य संहितासूरी पं.हसमुख जैन धरियावद एवं पं.मुकेश जैन 'मधुर' के निर्देशन में आयोजित इस पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में गुरुवार 24 नवम्बर को ध्वजारोहण एवं गर्भ कल्याणक की क्रियाएं होगी। प्रातः कटला प्रांगण से विशाल घटयात्रा जुलूस निकाला जाएगा।जो पाण्डाल में जाकर सम्पन्न होगा। मण्डप उदघाटन,चित्र अनावरण,दीप प्रज्ज्वलन, मंगलकलश स्थापना के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा प्रातः 11.30 बजे मुख्य ध्वजारोहण से पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ किया जाएगा।इस मौके पर काफी टेबल बुक एवं महामस्तकाभिषेक स्मारिका का विमोचन भी मुख्य मंत्री अशोक गहलोत द्वारा किया जाएगा। महोत्सव समिति के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल एवं कार्याध्यक्ष विवेक काला के मुताबिक गुरुवार को प्रातः 6 बजे नांदी मंगल,गुरु पाद पूजा,घट यात्रा, भूमि शुद्धि, इन्द्र ध्वज,स्थम्भारोपण, मण्डप उदघाटन, चित्र अनावरण,दीप प्रज्ज्वलन, मंगल कलश स्थापना, आचार्य निमंत्रण के बाद ध्वजारोहण किया जाएगा। दोपहर में सकलीकरण, इन्द्र प्रतिष्ठा,श्री जिनाभिषेक के बाद संगीतमय याग मण्डल विधान पूजा होगी। दोपहर 2.30 बजे से गर्भ कल्याणक एवं अन्तरंग क्रिया,गर्भावतरण, गर्भ कल्याणक पूजा होगी। सायंकाल 4.15 बजे माता का आगमन, गोद भराई उत्सव के बाद महाराजा सिद्धार्थ का राजभवन में आगमन, उदघाटन,राज सभा की क्रियाएं होगी। सायंकाल 6.30 बजे से महाआरती के बाद रात्रि में गर्भ कल्याणक के नाटकीय दृश्य प्रस्तुत किए जाएंगे। इसी दिन वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण चन्द्र छाबड़ा द्वारा लिखित 'चांदन के बाबा 'पुस्तक के नवीनतम अंक का विमोचन भी किया जाएगा।

श्री सिहोनियां जी में विधान सम्पन्न

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। अतिशय क्षेत्र सिहोनियाँ जी में श्री शान्तिविधान हर्षोल्लास पूर्वक सम्पन्न हुआ। क्षेत्र कमेटी के संरक्षक आशीष जैन सोनू द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार श्री शान्तिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र सिहोनियाँ जी में श्री 1008 शांतिनाथ विधान सानन्द सम्पन्न हुआ । दिल्ली से पधारे हुये सुरेशचंद अनिता जैन ने पंडित महावीर प्रसाद शास्त्री के आचार्यत्व में प्रातः भगवान श्री शांतिनाथ जी के अभिषेक, पूजन के पश्चात विधान प्रारंभ हुआ। पुण्यार्जक परिवार श्रीमती सरोज जैन, जयकुमार जैन, पूरनचंद जैन राकेश जैन, सुरेशचंद जैन ने विधान की सभी क्रियाओं में सहभागिता प्रदान की। विधान के अवसर पर महिलाओं ने भगवान की भक्ति में भावविभोर होकर नृत्य प्रस्तुत किये। इंद्र इंद्राणियों ने भगवान श्री शांतिनाथ पर शांतिधारा कर अर्घ समर्पित किये। भजन गायक एवं संगीतकार सौरभ एन्ड पार्टी मुरेना ने संगीत की स्वर लहरी से विधान पूजन में सभी को मंत्र मुग्ध किया। ज्ञातव्य हो कि अतिशय क्षेत्र सिहोनियाँ जी में प्रत्येक वुधवार को श्री शान्तिविधान का आयोजन होता है। श्री शांतिनाथ विधान के अवसर कुलदीप जैन, अनीता जैन, ममता जैन, सरोज जैन, मोनिका जैन, रोमिल जैन, मयंक जैन, राहुल जैन, रोहित जैन, रजत जैन सहित साधर्मी बन्धु, माता बहिनें उपस्थित थी।

भाजपा महिला मोर्चा, मुरलीपुरा मंडल ने प्रिंसेस दीया कुमारी से भेट की

जयपुर. शाबाश इंडिया। भाजपा महिला मोर्चा, मुरलीपुरा मंडल ने जरूरतमंद महिलाओं /बालिकाओं को स्वावलंबी बनाने हेतु रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में राजसमन्द सांसद एवं प्रिंसेस दीया कुमारी से सिटी पैलेस में शिष्टाचार मुलाकात की एवं सिटी पैलेस भ्रमण किया। इस अवसर पर दीया कुमारी ने तुरंत निर्णय लेते हुए भाजपा महिला मोर्चा मुरलीपुरा को विद्याधर नगर/मुरलीपुरा में एक बालिका/महिला रोजगार सेन्टर खोलने की स्वीकृति प्रदान की, जिसमे बालिकाओं व महिलाओं को तकनीकी व आर्ट से संबंधित निःशुल्क ट्रेनिंग देकर रोजगार उपलब्ध कराया जायेगा ।

कृत निश्चय उत्तिष्ठ सफलता के लिए, पहले मन का निश्चय करें : अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी

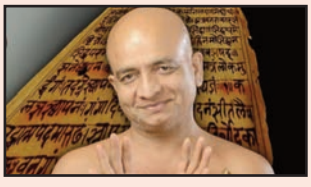

सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया। किसी भी कार्य की सफलता के लिए संकल्प की सिद्धि होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। शारीरिक शक्ति से ज्यादा, मनःस्थिति को तैयार करना बहुत जरूरी है। शरीर बल कम हो काम चल जायेगा लेकिन आत्म बल या मनोबल कमजोर हो तो दस पापड़ भी नहीं तोड़ पायेंगे। जीवन की सफलता सत्संकल्प पर निर्भर करती है। यदि आपको खुद की क्षमताओं पर यकीन नहीं है, तो दूसरे कैसे करेंगे? हर सफलता के लिये सावधान होना बहुत जरूरी है। सावधान होना है अपने आलस प्रमाद से, दूसरों के कटाक्षों से, उपेक्षाओं से, ये सब होगा, निमित्त भी मिलेंगे। परन्तु मन को इन सबसे प्रभावित नहीं होने देना। अन्यथा आपके अपने ही लोग तो यही चाहते हैं कि तुम जैसे हो वैसे ही रहो। इसलिए आप जो भी कार्य करें, वो जी जान से करें, क्योंकि आज का युग शत प्रतिशत परिणाम देने का युग है। अब तो 95-99 का आंकड़ा भी बेकार हो गया है। बात 100 पर भी पूरी नहीं होती।